हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 29 अप्रैल 2024

12 कट के आश्वासन के बावजूद शुरू नहीं किया कार्य

12 कल्पना चावला हाउस की व्याकरण गुरु टीम प्रथम

खबर संक्षेप

धनौंदा में सगे भाई को कढ़ाई मारकर सिर फोड़ा

कनीना। धनौंदा गांव में बड़े भाई ने छोटे भाई से मारपीट कर कढ़ाई से उसका सिर फोड दिया। वहीं उसकी पत्नी से भी मारपीट की। इस बारे में संदीप वासी धनौंदा ने बताया कि उसका बड़ा भाई पवनजीत उर्फ लड्डू आए दिन गाली-गलोच कर मारपीट करता है। पीड़ित ने बताया कि 26 अप्रैल को जब वह किसी कार्य से घर से बाहर निकला तो शराब के नशे में उसके भाई पवनजीत ने रास्ता रोक लिया और गाली-गलोच की। बचाव के लिए वह अपने घर आ गया। पीछे से पवनजीत भी उनके घर आ गया तथा मारपीट करने लगा। उसकी पत्नी खाना बना रही थी।

परचून की दुकान से 130 ग्राम गांजा बरामद

कनीना। शहर थाना पुलिस ने सिहोर में छापेमारी कर एक परचून की दुकान से 130 ग्राम गांजा बरामद किया है। इस बारे में शहर थाना इंचार्ज इंस्पेक्टर सुधीर कुमार ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम ने छापेमारी की। परचून की दुकान के संचालक की ओर से नशीला पदार्थ बेचा जा रहा था। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद ड्यूटी मैजिस्स्टे ईटीओ विक्रांत यादव की उपस्थित में दुकानदार को काबू कर तलाशी ली, तो गांजा बरामद हुआ। जिसका वजन 130 ग्राम मिला। गांजा बेचने के आरोपित दुकानदार की पहचान सुरेश कुमार वासी सिहोर के रूप में हुई। पुलिस ने दुकानदार के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

अवैध हथियार के साथ युवक किया गिरफ्तार

मंडी अटेली। अटेली पुलिस ने एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि एक युवक गांव कटकई के बस अड्डा पर बोलेरो गाड़ी में अवैध हथियार के साथ खड़ा हो, जो किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। पुलिस ने सूचना के आधार पर जब दबिश दी तो कटकई निवासी विनोद उर्फ रवि को देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

होटलों पर छापामारी शराब की बोतलें जब्त

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के ग्रीन पार्क होटल व शेर ए पंजाब होटल पर आबकारी व अटेली पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार को शराब पीने वालों पर शिकंजा कसा। पुलिस ने होटल के मालिकों पर आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज लिया। अटेली के ग्रीन पार्क होटल में 15 अलग-अलग झोपड़ी में करीब-करीब 17 मेज 60 मुढ़े पर करीब 20-30 व्यक्ति बैठकर शराब का सेवन कर रहे थे तथा होटल मालिक द्वारा चखना परोसा जा रहा था। होटल मालिक संदीप से शराब परोसने के लिए लाइसेंस मांगा तो उसके पास लाइसेंस नहीं था। होटल में बडवाईजर की बियर 650 एमएल की 6 बोतल भी बरामद की गई।

मालड़ा के रमन ने हकेंवि से पाई पीएचडी की उपाधि

महेंद्रगढ़। गांव मालड़ा सराय के रमन यादव ने मात्र 23 वर्ष की आयु में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जांट पाली से गणित विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर गांव व क्षेत्र का नाम रोशन किया है, जिससे रमन के परिजनों व ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।

रमन के पिता बसर सिंह ने बताया कि डॉ. रमन यादव ने प्रोफेसर फूलसिंह के मार्गदर्शन में 28 नवंबर 2020 से डेवलेपमेंट आफ सिक्योर इमेज अनक्रेप्शन ऐंड अथेंटिकेशन एल्गोरिथम यूजिंग कंप्यूटिनेशन इमेजिंग विषय पर 41 महीने शोध किया।

20 अप्रैल को हैड हो गया था बंद अब एक दिन छोड़कर होगी पानी की सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

नहर में पानी आना हुआ बंद, अगले सप्ताह से शहर में राशनिंग शुरू करेगा जनस्वास्थ्य विभाग

गर्मी के समय में पेयजल की मांग अधिक होने से लोगों को उठानी पड़ सकती है परेशानी

बढ़ती गर्मी में पेयजल की डिमांड अधिक होने शहर के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं। नहर में पानी आना बंद होने के बाद जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से अगले सप्ताह से पानी की राशनिंग शुरू की जाएंगी। 15 मई को नहर में पानी आने की उम्मीद जताई जा रही हैं। बता दें कि महेंद्रगढ़ शहर पूरी तरह से नहरी पानी पर निर्भर हैं। नहरी पानी पर आधारित देवास जलघर में 85 लाख लीटर पानी की क्षमता के चार टैंक बने हुए हैं। इनके माध्यम से शहर में पेयजल सप्लाई होती हैं। नहर में 15 दिन तक पानी तक तथा उसके 15 दिन बाद शहर मे रेगुलर सप्लाई की जाती हैं। उसके बाद शहर में एक दिन छोड़कर एक दिन सप्लाई उपलब्ध कराया जाता हैं। 21 अप्रैल को नहर में पानी आना बंद हो गया था। अब 15 मई को नहर में पानी आने की उम्मीद हैं। ऐसे में जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से अगले सप्ताह से एक दिन छोड़ एक दिन शहर में पानी की सप्लाई की जाएंगी।

शहर में हैं चार टैंक

जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से गांव देवास में 85 लाख लीटर पानी की क्षमता के चार टैंक बनाए गए हैं। शहर की आबादी के हिसाब टैंक में 15 दिन का पानी स्टोर हो सकता हैं। प्रतिदिन शहर की 40 हजार की आबादी को प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 155 लीटर पानी के हिसाब से कुल 6.45 लाख लीटर पानी की आवश्यकता होती है। देवास जलघर से पानी को शहर के अलग-अलग हिस्सों में बने सात बूस्टर में भेजा जाता है। यहां से अलग-अलग कॉलोनियों में पानी सप्लाई होता है।

महेंद्रगढ़। जवाहर लाल कैनाल। फोटो : हरिभूमि

15 मई को आएगा नहर में पानी

जनस्वास्थ्य विभाग के जेई दीपचंद का कहना है कि अप्रैल माह में शहर के लोगों के सामने नहर में पानी देरी आने से आने के कारण पेयजल संकट खड़ा हो गया था। जिस समय टैंक में 2 फीट बचा था तब नहर में पानी आया था। 20 अप्रैल को नहर में पानी आना बंद हो गया था। अब जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से जल्द ही शहर में एक दिन छोड़ एक दिन पानी की सप्लाई शुरू की जाएगी। 15 मई को नहर में पानी आने की उम्मीद है।

कैलाश नगर में किया श्रीश्याम का जागरण

नारनौल। श्रीश्याम आस्था मंडल के तत्वावधान में कैलाश नगर रेवाड़ी रोड पर मानसिंह सैनी के निवास स्थान पर श्रीश्याम बाबा का जागरण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान हरिओम गर्ग ने की। सुरेश सोनी ने बाबा का भाग्य दरबार रंग बिरंगी लाइट व फूलों से सजाया। आचार्य योगेश शर्मा ने मुख्य यजमान मानसिंह सैनी व सरोज सैनी से परिवार सहित बाबा की पवित्र ज्योत प्रज्वलित करवाकर व सतीश राणा ने गणेश वंदना करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद वीरेंद्र, विकाश जांगिड़, पंकज लखेरा व अनिल लखा ने बाबा के भजन सुनाकर भक्तों को नाचने पर विवश कर दिया। जागरण में सुंदर-सुंदर झांकी दिखाई गई। इस मौके पर मनोज वालिया, सुरेश सोनी, नरेश जैन, मूलचंद, बिमला सैनी, मोहरसिंह, रामबाई सैनी, भरत शर्मा आदि मौजूद थे।

हरिनाथ महाराज की पुण्यतिथि पर मंदिर में लगाया भंडारा

- औषधियों से हरिनाथ महाराज की प्रतिमा को करवाया स्नान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

विष्णु कॉलोनी स्थित श्री विष्णु भगवान मंदिर में श्री हरिनाथ महाराज की छठी पुण्यतिथि पर एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रृद्धालुओं ने ब्रह्मलीन महाराज हरिनाथ और प्रभु का गुणगान कर प्रसाद ग्रहण किया और बाबा का आशीर्वाद लिया। मंदिर प्रभारी एवं हरिनाथ महाराज के शिष्य शंकरलाल ने मंदिर की भव्य सजावट कर विशेष पूजा अर्चना की।

उन्होंने सर्वप्रथम गुरुदेव महाराज का ध्यान कर गंगाजल से स्नान के पश्चात दुग्ध, दही, घी, मधु, शक्कर सहित केसर, कस्तूरी, गंध, हरिद्रा, सर्वोषधी, गोअर्क गोमय व नाना प्रकार की औषधियों द्वारा बाबा हरिनाथ महाराज की प्रतिमा को स्नान करवाया।

तत्पश्चात पंडित मुकेश शर्मा, प्रधान मनोहरलाल झूकिया, संरक्षक संजय मित्तल, रामानंद शर्मा एवं मंदिर कमेटी के अन्य पदाधिकारियों व भक्तों ने देवी-देवताओं के प्रसाद का भोग लगाकर साधु-संतों को भोजन करवाकर भंडारे का शुभारंभ किया। प्रधान मनोहर लाल झुकिया ने सभी साधु-संतों को दान-दक्षिणा देकर उनका आर्शीवाद प्राप्त किया। संजय मित्तल ने बताया कि हरिनाथ महाराज एक सिद्ध संत थे, जो छह वर्ष पूर्व वैशाख कृष्ण पक्ष तृतीया विक्रमी सम्वत 2075 को ब्रह्मलीन हो गए। शंकर लाल ने बताया कि हिंदू धर्म में भंडारे का बहुत बड़ा महत्व है।

परशुराम जयंती मनाने पर बैठक में की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

ब्राह्मण सभा की बैठक परशुराम भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सभा प्रधान दिनेश चंद्र वैद्य ने की। सभा सचिव मनोज गौतम ने कहा कि ब्राह्मण सभा जिले के कनीना कस्बे के स्कूल बस हादसे में मारे गए बच्चों के प्रति गहरा दुख प्रकट करती है। सबसे पहले इस हादसे में मारे गए बच्चों के प्रति दुख प्रकट करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। तत्पश्चात सभा की कार्रवाई को आगे बढ़ते हुए 10 मई को परशुराम जयंती मनाने के बारे में प्रस्ताव रखा गया। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने कनीना स्कूल बस हादसे में मारे गए बच्चों को श्रद्धांजलि देते हुए परशुराम जयंती के मुख्य कार्यक्रम को जून तक स्थगित करने का प्रस्ताव रखा गया।

महेंद्रगढ़। जयंती मनाने के बारे में विचार-विमर्श करते हुए।

सभी सदस्यों ने राय व्यक्त की है कि 10 मई परशुराम जयंती के दिन 9:15 बजे केवल हवन यज्ञ का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया जाएगा। प्रधान दिनेश चंद्र वैद्य ने कहा सभी सदस्यों की राय है कि परशुराम जयंती का कार्यक्रम हम जून के पहले सप्ताह तक स्थगित कर दें और जून में धूमधाम से इस कार्यक्रम को मनाएं। परशुराम जयंती को धूमधाम से मनाने के लिए एक आवश्यक बैठक बाद में बुलाई जाएगी।

मंडी में आया 50 हजार बैग बारदाना, इतना ही और आने की संभावना

बारदाने की कमी से खरीद व उठान कार्य प्रभावित, किसान और व्यापारी परेशान

23 अप्रैल के बाद से ही बारदाना नहीं मिलने पर हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। मंडी में आसमान तले पड़ी खोली हुई सरसों व उतारने की जगह नहीं होने के कारण सरसों से लदे खड़े ट्रैक्टर-ट्राली। फोटो : हरिभूमि

सरसों की बंपर आवक होने एवं जरूरत के अनुसार समय पर बारदाने की आपूर्ति नहीं होने के कारण शहर के नांगल चौधरी रोड पर जल महल के समीप बनी अनाज मंडी आजकल सरसों से अटी पड़ी है। इस कारण मंडी में नई सरसों आवक होने पर उसे उतारने के लिए पर्याप्त जगह का अभाव बन रहा है। इस मंडी में केवल दो ही टीनशेड बने हुए हैं तथा यह दोनों टीनशेड ही सरसों की बंपर आवक से भरी पड़ी हैं और किसान एवं आढ़ती खुले आसमान के नीचे सड़क पर सरसों उतारने को विवश हो रहे हैं। इससे उनमें अधिकारियों के प्रति नाराजगी बनी हुई है। दूसरी ओर खरीद अधिकारी का कहना है कि मंडी में बारदाने की समस्या बनी हुई थी, लेकिन अब 50 हजार बैग उतारे जा रहे हैं तथा 50 हजार बैग सुबह तक और आ जाएंगे। एक लाख बैग मिलने से सरसों को उनमें भरने पर उठान में तेजी आने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि सरकारी समर्थन मूल्य पर सरसों की खरीद को चालू हुए एक महीना बीत चुका है, लेकिन अब भी सरसों की आवक में कोई गिरावट नहीं आई है। जबकि अब गांववाइज रोस्टर एवं शेड्यूल बना दिया गया है और एक किसान से एकबार में मात्र 25 क्विंटल सरसों की ही खरीद की जा रही है। इसके बावजूद मंडी में सरसों की बंपर आवक होने से हालात बदहाल बने हुए हैं। नारनौल मंडी में हैफेड 65 गांवों के 4375 किसानों की करीब 8585 मीट्रिक टन गत 11 अप्रैल तक खरीद कर चुका है। जबकि इसके पश्चात से स्टेट वेयर हाउस सरसों की खरीद में जुटा है तथा नारनौल मंडी में अब 17269.97 मीट्रिक टन सरसों खरीद चुका है। हैफेड अपनी तमाम सरसों का उठान कर चुका है, वहीं वर्तमान में अनाज में स्टेट वेयर हाउस की खरीद की हुई सरसों के साथ-साथ मंडी आए किसानों एवं आढ़तियों की सरसों पड़ी है। नारनौल मंडी में एक दिन में लगभग 20-22 हजार क्विंटल सरसों का उठान हो रहा है, लेकिन गत 23 अप्रैल को ही बारदाना आया था। वह बारदाना उसी दिन हाथोंहाथ आढ़तियों में बांट दिया गया था, लेकिन 25 व 26 अप्रैल को 46 गांवों के किसान रिकार्ड तोड़ सरसों लेकर आ गए। एकतरफ सरसों की अधिक आवक होने एवं दूसरी तरफ बारदाने की कमी होने से मंडी में हर तरफ सरसों ही सरसों हो गई। कई आढ़तियों ने सरसों बिक्री होने के बाद उसे बैगों में भरवा दिया, वहीं अब भी काफी सरसों खुले आसमान तले खुले में डाल रखी है। मंडी से स्टेट वेयर हाउस अब तक 14022.3 मीट्रिक टन सरसों की लिफ्टिंग कर चुका है, वहीं 3247 मीट्रिक टन सरसों अब भी मंडी में पड़ी है, लेकिन बारदाना ही नहीं है। इससे खरीद प्रक्रिया पर भी असर पड़ा है और धीमे तरीके से खरीद की जा रही है। उठान भी धीमी गति पकड़े हुए है। लंबे समय से चल रही बारदाने की कमी के कारण उठान की गति धीमी रही, जिस कारण किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि बारिश की आंशका बनी हुई है और बारदाने की कमी के चलते किसान स्वयं कट्टों का इंतजाम कर रहे हैं, ताकि बारिश आने पर फसल खराब न हो।

प्रशासन करवाए इंतजाम

किसान रघुबीर, रोहतास, संजय, रिसाल, बलवान एवं मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन रामजीलाल मित्तल ने बताया कि बारदाने की कमी के चलते सरसों की खरीद प्रक्रिया धीमी चल रही है। इससे मंडी में सरसों बिक्री में ज्यादा समय लग रहा है तथा किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जब तक तुलाई न हो, तब तक किसानों को मंडी में ही रहने, खाने-पीने एवं सोने के इंतजाम करने पड़ रहे हैं। बारिश की आशंका बनी रहती है। धूल-आंधी से भी खुली सरसों खराब होने का डर रहता है। इसलिए प्रशासन को चाहिए कि वह पर्याप्त मात्रा में बारदाने का इंतजाम करे।

मंगवाया जा रहा बारदाना

गत 23 अप्रैल को ही बारदाना आया था, जिस कारण बारदाने की कमी आ गई थी, लेकिन अब आज रविवार को ही 50 हजार बैग आ गए हैं तथा 50 हजार बैग सोमवार सुबह तक आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि एक बैग में 45 किलोग्राम सरसों ही भरवाई जा रही है तथा उसका उठान भी करवाया जा रहा है। गत 25-26 अप्रैल को भारी मात्रा में आवक होने से मंडी में सरसों भरी पड़ी है। अब बारदाना आ गया है तो सरसों खरीद एवं उठान दोनों में तेजी आएगी तथा किसानों एवं आढ़तियों को कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। -रुबी हुड्डा, प्रबंधक, स्टेट वेयर हाउस, नारनौल।

गांव दौचाना निवासी आईटीबीपी का जवान रसीद खान शहीद

राजकीय सम्मान के साथ किया अंतिम संस्कार

- देहरादून के अस्पताल में इलाज के दौरान रसीद खान ने तोड़ा दम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

दोहन पच्चीसी के गांव दौचाना निवासी आईटीबीपी का जवान शहीद हो गया। बता दें कि करीब 35 वर्षीय जवान रसीद खान देहरादून स्थित उत्तरी सीमांत मुख्यालय में तैनात था। जिसकी बीमारी के चलते उसकी मौत हो गई। जवान का उसके पैतृक गांव दौचाना में रविवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर देहरादून से आईटीबीपी की एक बटालियन गांव दौचाना पहुंची। जवान के अंतिम दर्शनों के लिए दौचाना के अलावा आसपास के अनेक गांवों के लोग भी पहुंचे। बता दें कि रसीद खान 2012 में आईटीबीपी में भर्ती हुए थे। फिलहाल उनकी पोस्टिंग देहरादून में थी। शहीद जवान के दो भाई-बहन हैं। इसके अलावा रशीद खान के दो बच्चे हैं, जिसमें बड़ा बेटा आठ साल व छोटा बेटा पांच साल का है। रसीद खान की पत्नी नगमा घरेलू महिला है। जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले जवान ने हार्निया का ऑपरेशन करवाया था। इसके बाद वह बीमार रहने लग गया था। जिस पर उसको देहरादून के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां पर इलाज के दौरान रसीद खान ने दम तोड़ दिया। शहीद रसीद खान पिछले कई वर्ष से कनीना में रह रहा था, जबकि उनका पैतृक गांव दौचाना है। रसीद खान का अंतिम संस्कार करने के लिए आईटीबीपी की एक बटालियन गांव में पहुंची, तो सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण वहां पर जमा हो गए। बटालियन के इंस्पेक्टर पृथ्वीपाल के नेतृत्व में आई जवानों की टुकड़ी ने शहीद को अंतिम सलामी दी।

नारनौल। गांव दौचाना में शहीद का शव लेकर पहुंचे आईटीबीपी के जवान तथा शहीद रसीद खान का फाइल फोटो।

वंदे मातरम के लगाए नारे

देहरादून से आए आईटीबीपी के इंस्पेक्टर मदन चौहान ने बताया कि जवान रशीद खान एक नेकदिल इंसान था तथा अपनी ड्यूटी के प्रति सजग था। शहीद की देह खाक ए सुपुर्द करते समय आस-पास के ग्रामीणों के अलावा विभिन्न राजनैतिक दलों से जुड़े लोग भी मौजूद रहे। जहां पर पूरे गमगीन माहौल में रसीद खान का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान लोगों ने भारत माता की जय व वंदे मातरम के नारे भी लगाए।

दो होटलों पर अवैध रूप से शराब पीते मिले लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- होटल मालिकों के खिलाफ केस दर्ज करवाया

आबकारी विभाग व हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो की संयुक्त टीम ने शनिवार रात नीरपुर के दो होटलों पर छापेमारी की। इस छापेमारी में दोनों होटलों पर लोग अवैध रूप से बैठकर शराब पीते हुए मिले। जबकि दोनों होटल मालिकों के पास शराब पिलाने का लाइसेंस व परमिट भी नहीं था। शनिवार रात करीब साढ़े 9 बजे आबकारी निरीक्षक दिनेश कुमार व हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो नारनौल की संयुक्त टीम ने रेवाड़ी रोड स्थित फर्स्ट प्वाइंट चिकन पैलेस पर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि होटल में दो झोपड़ी बनाई हुई हैं, जिसमें करीब 8 मेज व 25 कुर्सियां लगी हुई थी, जिन पर करीब 10-12 लोग बैठकर शराब का सेवन कर रहे थे। वहीं होटल मालिक सतेंद्र यादव द्वारा चखना परोसा जा रहा था। काउंटर पर बैठे होटल मालिक सतेंद्र यादव से शराब परोसने के लिए लाइसेंस व परमिट मांगा गया, लेकिन होटल मालिक के पास कोई भी लाइसेंस व परमिट नहीं मिला। निरीक्षण के दौरान होटल में काफी मात्रा में खाली बोतलें भी मिली, वहीं कुछ बोतलों में शराब भी थी। दूसरी ओर कादीपुरी रोड पर शनिवार देर रात आबकारी निरीक्षक आशुतोष व एएसआई उमेद सिंह ने मटन अरोमा होटल का औचक निरीक्षण किया। होटल संचालक कमल नीरपुर मौके पर मौजूद था। होटल संचालक की उपस्थिति में उक्त होटल पर शराब परोसी जा रही थी।

छुट्टियों के मिट्टी के खिलौने बनाने का देते थे काम

पहले टीचर गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को गिनती सिखाने के लिए 100 गारा मिट्टी की गोलियां बनाने का काम देते थे। इससे बच्चों को गिनती का अभ्यास हो जाता था। साथ ही कुत्ते, घोड़े और हाथी आदि बनाने के लिए कहा जाता था। गर्मियों में कॉपियों में कलम से सुलेख लिखने का काम दिया जाता था।

बदल गया शिक्षा का स्वरूप, आज के विद्यार्थी नहीं जानते कलम और दवात

पहले ऐसी शिक्षा होती थी, जिसमें बच्चों पर पढाई का दबाव नहीं होता था। पहले स्कूलों में बचपन खिलखिलाता था। गांव में बसने वाले गरीब व अमीर लोगों के सब बच्चे गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। 6 साल से पहले स्कूल में बच्चे का दाखिला नहीं लिया जाता था। छह साल तक बच्चा अपने माता पिता के पास ही फलता फूलता था। जब छह साल का हो जाता तो उसे तब ही विद्यालय में दाखिला मिलता था। ड्रेस के नाम पर बच्चों को आरामदायक कुर्ता पायजामा पहनाया जाता था, ताकि बच्चों को कोई परेशानी न हो।

शिक्षा | राज कुमार नरवाल

पहले बचपन और तनाव का कोई संबंध नहीं था। बच्चे दिनभर हंसते, खेलते-कूदते और खिलखिलाते हुए दिखाई देते थे। उनको न होम वर्क की चिंता होती थी और न कपड़े गंदे होने का भय। क्योंकि आज से तीन दशक पहले तक प्रदेश में शिक्षा का स्वरूप ही अलग होता था। ऐसी शिक्षा होती थी, जिसमें बच्चों पर पढ़ाई का दबाव नहीं होता था। पहले स्कूलों में बचपन खिलखिलाता था। गांव में बसने वाले गरीब व अमीर लोगों के सब बच्चे गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। 6 साल से पहले स्कूल में बच्चे का दाखिला नहीं लिया जाता था। छह साल तक बच्चा अपने माता पिता के पास ही फलता फूलता था। जब छह साल का हो जाता तो उसे तब ही विद्यालय में दाखिला मिलता था। ड्रेस के नाम पर बच्चों को आरामदायक कुर्ता पायजामा पहनाया जाता था, ताकि बच्चों को कोई परेशानी न हो। उस समय जुराब, टाई, बेल्ट और जूते पहनने का कोई बंधन नहीं था। बच्चे बाथरूम चप्पल पहनकर ही स्कूल जाते थे। बच्चों की सुंदर लिखावट बनवाने के लिए तख्ती का प्रयोग किया जाता था। टीचर उस तख्ती पर पेंसिल के साथ टुटकने या कच्चे अक्षर निकालते थे। टीचर द्वारा लिखे हुए उन टूटकनों पर बच्चे कलम से लिखते थे। बच्चों से इस तरह लिखने का अभ्यास करवाया जाता था। काले रंग की एक पुड़िया आती थी। बच्चे एक दवात में थोड़ा पानी डालते थे और उसमें उस पुड़िया को मिला लेते थे। इस तरह काली स्याही तैयार हो जाती थी। उसके बाद बच्चे कलम से दवात में से स्याही लेते थे और तख्ती पर लिखते थे। गणित के सवाल निकालने के लिए बच्चे पत्थर की स्लेट का प्रयोग करते थे। कुछ बच्चे गत्ते की स्लेट भी ले आते थे। लेकिन पत्थर की स्लेट ही गणित के सवाल निकालने के लिए कारगर होती थी। इससे कागज की बचत होती थी। इस स्लेट पर बत्ती के साथ लिखा जाता था। बच्चे बत्ती से स्लेट पर बार बार अभ्यास करते थे। जिससे सवाल व गणित के फार्मूले आसानी से याद किए जाते थे। स्लेट व तख्ती होने की वजह से माता पिता का कापियों का खर्च बच जाता था।

काली स्याही से लिखी तख्ती को पानी से बच्चे खुद धोते थे। जब लिखे गए अक्षर तख्ती पर रह जाते तो उस तख्ती को पोतने के लिए मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग किया जाता था। बच्चे खुद ही तख्ती पोतते थे। इससे उनमें खुद का काम खुद करने की आदत पैदा होती थी। अध्यापक बच्चों को गिनती व पहाड़े याद करवाने के लिए ऊंची आवाज में अभ्यास करवाते थे। स्कूल में बच्चे जब ऊंची आवाज में गिनती या पहाड़े याद करते थे तो दूर दूर तक पता चलता था कि स्कूल में जोर शोर से पढ़ाई चल रही है। ज्यादातर बच्चे अगली क्लास के पास हुए बच्चों से सेकेंड हैंड (पुरानी) किताबें खरीद लेते थे। पेंट, शर्ट, टाई, बैल्ट, बैग और भारी भरकम किताबों का खर्च उस समय नहीं होता था। अभिभावकों को मोटी फीस भी नहीं देनी पड़ती थी। उस जमाने में न स्कूल बस का किराया देना होता था और न ही माता पिता को लंच बॉक्स पैक करने का झंझट था। बच्चे आधी छुट्टी में घर आकर ही दोपहर का खाना खा जाते थे और पशुओं को बाहर भीतर बांधने व पशुओं को पानी पिलाने आदि के छोटे मोटे काम भी कर जाते थे। स्कूल के लिए बच्चों को बैग की जगह पर यूरिया व डीएपी खाद के प्लास्टिक के कट्टे का एक झोला सीलकर दे दिया जाता था व एक खाद का कट्टा उसमें और डाल दिया जाता था। ताकि वह क्लास में बैठने के लिए जमीन पर बिछाने के काम आ जाए। यह झोला जल्दी फटता नहीं था और वर्षों तक चलता था। उस समय बच्चों पर होम वर्क का दबाव नहीं होता था। अध्यापक ज्यादातर काम स्कूल में ही याद करवा देते थे। घर पर करने के लिए बच्चों को कम ही काम दिया जाता था। स्कूलों में शिक्षक खेलों पर विशेष ध्यान देते थे। बच्चों को परिश्रम करने की ट्रेनिंग विद्यालय में पढाई के दौरान ही दे दी जाती थी। जब भी विद्यालय में निर्माण चलता तो ईंट ढोने का काम भी बच्चों से करवाया जाता था। पौधों में पानी डालने और सप्ताह में एक बार विद्यालय प्रांगण की सफाई भी बच्चों से ही करवाई जाती थी।

लैपटॉप, कम्प्यूटर व इंटरनेट से पढ़ना हुआ आसान

हरियाणा प्रदेश ने बीते कुछ दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तरक्की की है। नई शिक्षा पद्धति के जहां कुछ साइड इफेक्ट देखने को मिले हैं। वहीं शिक्षा में बहुत सुधार भी हुआ है। पहले ज्यादातर बच्चों के पास डिक्शनरी नहीं होती थी। किसी शब्द का हिंदी व अंग्रेजी अर्थ जानना होता तो बच्चों को लंबा इंतजार करना पड़ता था। बीच में स्कूल की छुट्टी आ जाती तो स्कूल खुलने पर ही टीचर से उसका अर्थ जान पाते थे। लेकिन अब इंटरनेट का जमाना आ जाने के बाद तुरंत बच्चे अपने मोबाइल फोन पर किसी भी समस्या का समाधान तुरंत ढूंढ लेते हैं। हर तरह के गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र व अन्य विषयों के फार्मूले या जानकारी झट से मोबाइल पर मिल जाती है। अब तो घर बैठकर भी पढाई की जा सकती है। कोरोना महामारी के कारण स्कूल बंद हो जाने पर भी बच्चे अध्यापकों के संपर्क में रहे और ऑन लाइन क्लास चलती रही। लेकिन पहले ऐसा संभव नहीं था। अखबार, इंटरनेट, टेलिविजन और मोबाइल फोन आ जाने के बाद बच्चे बहुत कुछ सीख रहे हैं। मोबाइल फोन की वजह से पूरी दुनिया विद्यार्थियों की मुट्ठी में आ गई है। आज के बच्चे पहले के बच्चों से अधिक बुद्धिमान हैं और अंक भी अधिक हासिल कर रहे हैं। लेकिन मोबाइल फोन व इंटरनेट का अत्यधिक इस्तेमाल बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। इंटरनेट से जहां बहुत कुछ सीखा जा रहा है, वहीं बच्चे कुछ गलत चीजें भी देख रहे हैं, जिसका नुकसान भी हो रहा है।

बहुत खुला होता था स्कूलों का वातावरण

पौधों में पानी डालने और सप्ताह में एक बार विद्यालय प्रांगण की सफाई भी बच्चों से ही करवाई जाती थी। ताकि बच्चे आलसी न बनें। बच्चे तनाव मुक्त व परिश्रमी होते थे, तो उनका स्वास्थ्य भी सही रहता था। उस जमाने में बच्चे हृटपुष्ट होते थे। स्कूलों का वातावरण भी बहुत खुला व हवादार होता था। स्कूलों में तरह तरह के पेड़ पौधे लगे होते थे। इनमें कई फलदार पेड़ भी होते थे। बच्चे इन पेड़ों से मौसमी फल खाते थे। उन दिनों सरकारी स्कूलों के पास स्थित खेतों में भी बाग होते थे। इन बागों में भी बच्चों को खाने के लिए फल मिलते थे। ईंख के गन्ने और गुड़ बनाने के कोल्हू भी विद्यालयों के आस पास ही मिले जाते थे।

बच्चों पर तनाव और अभिभावकों पर बढ़ गया खर्च

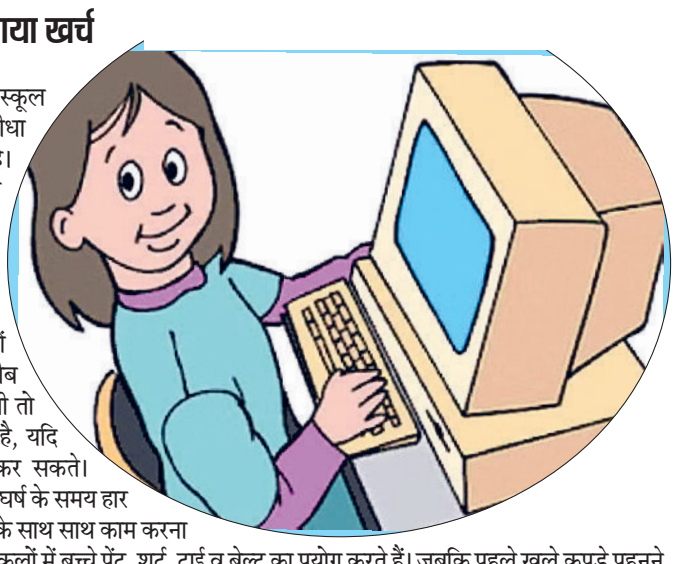

जब से शिक्षा का निजीकरण हुआ है। तब से प्रत्येक गांव में प्राइवेट स्कूल खुल गए हैं। प्राइवेट स्कूलों की आपस में चल रही प्रतिस्पर्धा का सीधा असर बच्चों के मन मस्तिष्क व अभिभावकों की जेब पर पड़ा है। स्कूल प्रबंधक महंगी किताबें खरीदते हैं। ज्यादातर प्राइवेट स्कूल बच्चों के लिए वही किताबें खरीदकर लाते हैं जिन पर पुस्तक विक्रेता या पब्लिसर अधिक छूट देता है। ज्यादा सिलेबस होगा तो पुस्तकें भी अधिक होंगी। पुस्तक अधिक होंगी तो कमाई भी ज्यादा होगी। जिस वजह से बच्चों के बस्ते का बोझ बढ़ता जा रहा है। बचपन भारी बस्तों के बोझ के तले दब गया है। पहले सरकारी स्कूलों में बच्चों को व्यवहारिक ज्ञान सिखाया जाता था। कम खर्च में गरीब आदमी भी अपने बच्चों को पढ़ा सकता था। यदि नौकरी न मिलती तो बच्चे परिश्रम करके कमा खा सकते थे। अब पढाई ऐसी हो गई है, यदि नौकरी न मिले तो बच्चे शारीरिक श्रम वाला काम भी नहीं कर सकते। आरामदायक जीवन शैली की वजह से वर्तमान में युवक युवतियां संघर्ष के समय हार जाते हैं। बहुत तो आत्महत्या तक कर लेते हैं। पहले स्कूलों में पढ़ाई के साथ साथ काम करना और बड़े बूढ़ों की सेवा करना सिखाया जाता था। वर्तमान समय में स्कूलों में बच्चे पेंट, शर्ट, टाई व बेल्ट का प्रयोग करते हैं। जबकि पहले खुले कपड़े पहनने का रिवाज था। वेद, पुराणों और नैतिक शिक्षा की बात सिखाने के लिए संस्कृत पढाई जाती थी। लेकिन अब स्कूलों में संस्कृत अनिवार्य विषय नहीं रहा। बच्चों को कला सिखाने के लिए ड्राइंग पढाई जाती थी। लेकिन अब यह विषय भी जरूरी नहीं रहा।

रागनी | विश्वबंधु शर्मा

यो कैसा खेल दिखाया

यो कैसा खेल दिखाया सै, यो मैं जाणू या वो जाणै ।
नर नारी जगत रचाया सै, यो जग जाणै या वो जाणै ।।टेक ।।

खुद नै आकाश बणाया सै, आकाश म्ह स्वयं समाया सै ।
फिर पाणी पवन रचाया सै, अग्नी का गेड़ा लाया सै ।
धरती आधार बणाया सै, खुद धरण रूप धर आया सै ।
यह माया खेल रचाया सै, भगत जाणताया वो जाणै।

पाँचाँ नै गेड़ा लाया सै ,फिर चोला एक बणाया सै ।
उस चोले को अप णाया सै , तूँ चोले बीच समाया सै ।
पर नजर कदे ना आया सै, यो मोह का कुंडा लाया सै ।
यो दल दल लोभ बणाया सै, मैं धसता जाता वो जाणै।

हाँगा पूरा मनै ला लिया, के अहं डोब दे चोडै ना।
तृष्णा पड़गी मेरे गेल्यां, के पागल मनवा दौड़े ना।
मृगतृष्णा मह मनुवा फस ग्या, वो भाज्या जावैबोहडै ना।
वो नेह प्रीत नै तोड़े ना, मैं ना जाणू वो खुद जाणै।

जीव को कहते अंश तेरा, क्यूँ जीव रूप मैं आया सूँ।
पत्नी पुत्र पोत्र पोत्री, क्यूँ ममता बीच फ़साया सूँ।
अपणे तन तैं न्यारा कर कें, क्यूँ भँवरी बीच धकाया सूँ।
मैं जर तैं नहीं अघाया सूँ, मैं खुद ना जाणू वो जाणै।

चौथापण नासोधी आई, क्यूँ मरता फिरूँतिसाया सूँ।
रै न्यू करले तूँ न्यू करले, लोगाँ नै खूब भकाया सूँ।
इत सतरह बीच फसा कें प्रभु ,जग कोठे मैं भरमाया सूँ।
इत खाली हाथा आया सूँ , यह मैं जाणूअर तूँ जाणै।

पूजा और चढ़ावा कोनीं, मैं हिम्मत कर दर आया सूँ।
प्रभु मेरा इत कुछ बी ना सै, मैं पेट दिखाणे आया सूँ।
जग झंझट को छोड़ छाड़ अब, मुंशीरामशरण आया सूँ।
बन्धु मैं अश्रु जल ल्याया सूँ, अब गुरु जाणै या वो जाणै।

गीत | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

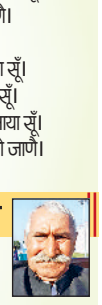

जय श्री राम

सिया राम, सिया राम, सिया राम,
नाम लिए मन में धार, हो जाएगा तेरा उद्धार
सच्चे दिल से राम पुकार, राम है सबके सृजनहार
अपना मन लिए थाम, सिया राम, सिया राम

विष्णु जी के ये अवतार आये मृत्युलोक देहधार
भगतों पर करते उपकार दुष्टों का करे संहार
दिन और रात आठों याम सिया राम, सिया राम

मर्यादा के रचनाकार, अपने करो शुद्ध विचार
जीवन में आये निखार, सद्बुद्धि और शाकाहार
धर्म सनातन का पैगाम, सिया राम, सिया राम

मंगल जीवन अहिल्या नार, सबरी पर बरसया प्यार
ऋषि हवन के सूत्रधार, दशानन को दिया मार
विभीषण सौंपा राज तमाम, सिया राम, सिया राम ,

पाँच सौ वर्ष का इन्तजार, अब अयोध्या दई सिंगार
भव्य मंदिर किया तैयार, ये गये विरोधी सारे हार
बना अयोध्या सुन्दर धाम सिया राम, सिया राम,

मात पिता के आज्ञाकार, नक्शे क़दम चले संसार
यही छवि है पुजनहार, महेन्द्र सिंह करें मनुहार
दोनों वक्त सुबह शाम सिया राम, सिया राम

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

श्रद्धा | 100 साल से एक ही परिवार कर रहा सिलाई, दो साल की अग्रिम बुकिंग, 2037 में आएगा नंबर

माता बाला सुंदरी को वस्त्र पहनाने के लिए वर्षों का इंतजार

बुकिंग
वस्त्र सिलने वाले दर्जी पर करानी पड़ती है बुकिंग

श्रद्धालु
नवरात्रि के दिनों में लगता है श्रद्धालुओं का तांता

दर्शन
नंबरदार सोराज को माता ने सपने में दिए दर्शन

मंदिर | सुभाष शर्मा

मुलाना का माता बाला सुंदरी मंदिर आस्था का प्रतीक है। मंदिर के बारे में विशेष बात है कि यहां माता रानी के वस्त्रों को श्रद्धालु हर साल बारी के हिसाब से चढ़ाते हैं। मंदिर में माता रानी को वस्त्र पहनाने की इच्छा रखने वाले श्रद्धालुओं को वर्षों का इंतजार करना पड़ता है। हर वर्ष श्रद्धालु माता बाला सुंदरी के लिए वस्त्र पहनाने के लिए अपना नाम अंकित कराते हैं। बारी के अनुसार उन का नंबर आता है। माता को नए वस्त्र पहनाने के लिए 12 साल की अग्रिम बुकिंग चल रही है। 2024 के चैत्र महीने के नवरात्रों में यहां के रहने वाले एक परिवार ने इस सेवा को अदा किया है। एनएच 344 के नजदीक बने माता बाला सुंदरी मंदिर में नवरात्रों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है। सैंकड़ों की संख्या में आकर श्रद्धालु माता के दर पर नतमस्तक होकर और मन्नत मांगते हैं।

प्रचलित है दंत कथा

एक दंत कथा प्रचलित है कि एक बार गांव में प्लेग की भयानक बीमारी फ़ैल गई थी। लोग इस बीमारी से भयग्रस्त थे। प्लेग की चपेट में आने से गांव में हर रोज मौते हो रही थी। कहते हैं कि गांव के लोग दाह संस्कार कर के लौटते ही थे कि कोई न कोई व्यक्ति तब तक गांव में मृत अवस्था में मिलता था। पूरे गांव में प्लेग की भयकंर बीमारी ने लोगो में भय पैदा कर रखा था। तभी इसी दौरान गांव के साथ लगती मारकंडा नदी में से एक चूड़ियां बेचने वाला गुजर रहा था तो रास्ते में उसे एक कन्या दिखाई दी। वह कन्या दौड़ कर उस चूड़ी बेचने वाले के समीप आई और उस कन्या ने उस से चूड़ी पहनाने की जिद की। चूड़ी बेचने वाले व्यक्ति ने उसकी दोनों बाजुओं में चूड़ी पहना दी तभी उस कन्या ने तीसरी बाजु भी आगे कर दी। इस घटना से चूड़ी बेचने वाला घबरा गया तथा वहां से आकर उस ने यह बात गांव के लोगों को बताई। लोगों ने उसे समझाया कि घबराने की आवश्यकता नहीं है। कन्या के रूप में दिए दर्शन मां भगवती का अवतार है। गांव में मां भगवती का आगमन हो चुका है। अब शीघ्र ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। कहते हैं कि उसी रात मां बाला सुंदरी ने गांव के नंबरदार के स्वप्न में आकर एक स्थान दिखाते हुए कहा कि इस स्थान पर 5 ईटें रख कर उस के भवन का निर्माण करवाया जाए। अगली सुबह ऐसा करते ही गांव से प्लेग की भयंकर बीमारी ख़त्म हो गई।

वर्ष 1426 में हुआ था मंदिर का निर्माण

कुछ वर्ष पहले वर्ष माता बाला सुंदरी मंदिर का रिकॉर्ड राजस्थान के भाटों के यहां से प्राप्त हुआ है। भाटों के अनुसार वह मुलाना में क्षत्रीय समाज के यहां साल में एक बार जाते हैं।भाटों ने मंदिर कमेटी को बताया कि कस्बे को 1422 में बसाया गया था। मां बाला सुंदरी मंदिर का निर्माण सन 1426 में कराया गया था। 1425 में गांव के नंबरदार सोराज सिंह के सपने में माता ने दर्शन देकर मंदिर का निर्माण कराने व साथ ही ताल की खुदाई कराने की बात कही गई थी। ऐसी लिखित बातें भाटो के दस्तावेजों में दर्ज है।

'ताऊ नै पाछै हटा कै' शिखर पर पहुंचे रामकेश जीवनपुरिया

◆ शुरू में पिता ने जताया विरोध आज सबसे बड़े फैन ◆ पत्नी ने दिया भरपूर सहयोग करती हैं मोटिवेट ◆ सामाजिक सरोकार से जुड़े लिखे गीतों ने मचाई धूम

कलाकार | शशि कांत चौहान

कहते हैं कि कलम में बहुत ताकत होती है। आप जो भी लिखते हैं उसका समाज का बड़ा हिस्सा प्रभावित होता है। फिर वही समाज आपको सिर आंखों पर बिठा लेता है। ऐसा ही कुछ रामकेश जीवनपुरिया के साथ हुआ। उन्होंने हट जा ताऊ पाछै नै ऐसा लिखा कि इस गीत ने उनको शिखर पर पहुंचा दिया।यह उनका पहला गीत था और इसे आवाज विकास कुमार ने दी थी यह इतना बड़ा हिट हुआ कि आज भी हर कार्यक्रम में डीजे पर खूब बजाता है और लोग इसका खूब आनंद उठाते हैं।

बचपन से था शौक

किसान परिवार में 10 अगस्त 1981 को जन्मे रामकेश के पिता श्री राम निवास दसवीं पास हैं और माता श्रीमती इंद्रा देवी गृहिणी हैं। रामकेश की प्राथमिक शिक्षा गांव के स्कूल में हुई। हाई स्कूल के लिए ने पड़ोस के गांव जाना पड़ा। क्योंकि गीत संगीत में रुचि बचपन से ही थी इसीलिए इन्होंने ग्रेजुएशन संगीत में की। ऐसे हुई शुरुआत रामकेश ने जब एक दिन रणबीर बड़वासनिया को स्टेज पर रागनी करते हुए देखा तो वहीं से उन्हें दिल में अपना गुरु मान लिया और लिखना शुरू किया। हालांकि इस दौरान उन्हें कोई मंच नहीं मिला था इसके बाद रणबीर बड़वासनिया से मुलाकात हुई और इसके बाद उन्होंने विधिवत गुरु धारण किया। इसी दौरान जब उनके दादा गुरु जगन्नाथ समचाना वाले ने उनके गीत देखें तो उन्हें अपने पास बुलाया और तमाम बारीकियां समझाई।

हट जा ताऊ पाछै नै पहला हिट

जब रामकेश का पहला गीत हट जा ताऊ पाछै नै रिलीज हुआ तो रामकेश जीवनपुरिया को नई पहचान मिली और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसके साथ ही एक के बाद एक बड़े हिट गीत आए, जिनमें सपने में रात में आई, सारा रोला पतली कमर का जैसे गीत शामिल हैं। इसके बाद सतीश सहगल जो म्यूजिक कंपोजर भी हैं उन्होंने रामकेश से गीत गाना शुरू करवाया। 'पहले आली हवा रही ना पहले बाणा' गायक के तौर पर उनका पहला गीत था।

पीएम ने की तारीफ

रामकेश ने पहले ही गीत के बाद गायन में भी धूम मचा दी यह गीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुना और उनको बुलवाया उन्हें सम्मानित भी किया इसके बाद 'बचपन' 'मैं भारत बोल रहा हूं' 'कितना बदल देश' 'कलयुग' और 'संस्कार' भी सोशल मीडिया पर खूब देखे गए।

सम्मान व पुरस्कार

हरियाणवी जन-मानसको उद्वेलित करने वाले रामकेश जीवनपुरिया को अनेक संस्थाएँ सम्मानित कर चुकी हैं। इसी सम्मान श्रृंखला की कड़ी में एक और कड़ी जोड़ते हुए हिन्दी साहित्य प्रेरक संस्था जीन्द भी अ मिसरी जुगलाल स्मृति साहित्य श्री सम्मान से सम्मानित किया।

फिल्में लिखी, अभिनय किया

रामकेश जीवनपुरिया ने अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन किया। उन्होंने 'छप्पर पाड़ कै' 'किसान बिजनेसमैन' 'प्रेरणा' 'सफर म्हैं हमसफर' और लख्मीचंद हरियाणवी जैसी फिल्में बनाई खास बात यह है कि यह फिल्में उन्होंने खुद ही लिखी और अभिनय भी किया उनके अभिनय को खूब सरहाना भी मिली। रामकेश जीवनपुरिया के गीत और फिल्म लेखन में सामाजिक मुद्दों पर ज्यादा फोकस रहा है। शुरुआत में तो उन्होंने जरूर मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए गीत लिखे थे लेकिन बाद में उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर फोकस किया। इसके साथ ही उन्होंने देशभक्ति को भी अपने लेखन में खास तवज्जो दी। रामकेश कहते हैं कि आजकल लेखक पब्लिक की पसंद को ध्यान में रखते हुए अपनी कलम चलता है तो निश्चित ही लेखन के स्तर में गिरावट आती है।

परिवार का भरपूर सहयोग

परिवार का भरपूर सहयोग रामकेश बताते हैं कि उनके परिवार में गीत संगीत का कोई माहौल नहीं था इसलिए शुरुआत में उनके पिता ने इस क्षेत्र में जाने का उनका विरोध किया था लेकिन जब उन्होंने उनके गीत और फिल्में देखी तो उन्होंने उसका हौसला बढ़ाया और आज वे उनके सबसे बड़े फैन हैं। रामकेश को उनकी पत्नी से भी पूरा सहयोग मिला और उन्होंने हर कदम पर साथ दिया। अगर कभी उन्हें निराशा हुई तो उनको मोटिवेट किया।

खबर संक्षेप

नशीला पदार्थ उपलब्ध कराने का आरोपी काबू

रेवाड़ी। एंटी नार्कोटिक्स सेल पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ उपलब्ध कराने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव बधराना निवासी कर्मबीर के रूप में हुई है। पुलिस को सूचना मिली कि भगत सिंह उर्फ माइकल निवासी गांव बूढ़पुर नशीला पदार्थ गांजा बेचने का काम करता है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को 100 ग्राम गांजे के साथ कालूवास रोड से काबू कर लिया।

वाहन की टक्कर से कंपनी कर्मचारी घायल

रेवाड़ी। गढ़ी बोलनी रोड स्थित गुरुटेक सोसायटी के पास तेज रफ्तार वाहन ने बाइक पर सवार कंपनी कर्मचारी को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। कसौला थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव खालेटा के गौरव कुमार ने बताया कि वह बावल स्थित कंपनी में काम करता है। गत शाम को छुट्टी के बाद जब बाइक पर सवार होकर घर जा रहा था तो वाहन ने उसे टक्कर मार दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में घुसकर सास-बहू के साथ मारपीट

रेवाड़ी। गांव बटौड़ी में घर में घुसकर कुछ लोगों ने एक महिला व उसकी सास पर हमला कर घायल कर दिया। खोल थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव बटौड़ी की रितू ने बताया कि बीती शाम को जब वह अपनी सास के गोबर व कूड़ा डालने जा रही थी तो गांव का ही एक युवक अपने माता-पिता के साथ उनके प्लाट में घुस गए और गाली-गलौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी है। उन्होंने लोहे के पाइप व लाठी से हमला कर दिया तथा उसके कानों से सोने के झुमके भी तोड़ लिए। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों को देखकर आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

साइबर ठग ने महिला से ठगे 35 हजार रुपये

रेवाड़ी। साइबर ठग ने एक महिला को झांसे में लेकर 35 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। जगन गेट चौकी पुलिस को दी शिकायत में मुक्तिवाड़ा निवासी ज्योति ने बताया कि बीती शाम को उसके पास अंजान नंबर से कॉल आया और कहा कि उसके खाते में गलती 40 हजार रुपये डल गए है। अभी उसे 20 हजार रुपये की जरूरत है, इसलिये 20 हजार रुपये अभी डाल दो। बाकी बाद में डाल देना। जल्दबाजी के चलते उसने अपना खाता चैक किए बिना ही उसके खाते में 20 हजार रुपये फोन-पे कर दिए। कुछ देर बाद उसके खाते से 14989 रुपये और कट गए।

घर में घुसकर मां-बेटे से मारपीट, केस दर्ज

बावल। गांव चांदूवास में 10-12 बदमाश मेन गेट तोडकर अंदर घुस गए और मां व बेटे के साथ झगड़ा करते हुए सोने की चेन तोड़ ले गए। बावल थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव चांदूवास के कृष्ण यादव ने बताया कि बाइकों पर 10-12 बदमाश सवार होकर पहुंचे और मेन गेट का तोडकर अंदर घुस गए। बदमाशों ने उसके व उसकी मां केसाथ गाली-गलौच करते हुए झगड़ा शुरू कर दिया है। विरोध करने पर वह मारपीट करने पर उतारू हो गए। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों को देखकर बदमाश फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध शराब की 67 बोतल के साथ 6 काबू

हांसी। अवैध शराब बेचने के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर हांसी पुलिस ने 11 बोतल अवैध देशी शराब सहित सैनीपुरा निवासी अजमेर को गिरफ्तार किया है। थाना बास पुलिस ने सिंघवा खास निवासी प्रवीन को 18 बोतल तथा बडाला निवासी चांदबीर को 7 बोतल अवैध देशी शराब सहित गिरफ्तार किया है। सदर हांसी पुलिस ने सुल्तानपुर निवासी बबलू को 11 तथा ढाणी कुम्हारान निवासी रत्न को 10 बोतल अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

भूमि विवाद को लेकर प्राणपुरा में खूनी संघर्ष, दो गुटों के 12 लोग घायल, दो की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

जमीनी विवाद को लेकर प्राणपुरा में रविवार सुबह दो गुटों में जमकर खूनी संघर्ष हुआ, जिसमें 12 से अधिक लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया, जहां से दो को गंभीरावस्था में हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। जमीन जोतने के को लेकर एक ही परिवार के दो गुटों में कई दिनों से विवाद चला आ रहा है। इसी विवाद के चलते रविवार को एक पक्ष के लोग जमीन जोतने के लिए खेत में गए, तो दूसरे पक्ष के लोग भी वहां पहुंच गए। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर धारदार हथियार और लाठियों से हमला कर दिया। खेतों में गांव के लोग मौजूद नहीं होने के कारण संघर्ष काफी देर तक चलता रहा। बचाव करने के लिए कोई नहीं पहुंचा। इसी दौरान किसी ग्रामीण ने दोनों पक्षों के बीच चल रहे संघर्ष की सूचना डायल-112 पर दी। सूचना मिलने के बाद ईआरवी मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जिन लोगों को ज्यादा चोटें आई हैं।

पुलिस ने मामले की जांच की शुरू

रेवाड़ी। जमीनी विवाद के खूनी संघर्ष में घायल लोग।

ये लोग घायल : उनमें जगदीश, विक्रम, बिरमा देवी, नवल, सतेंद्र, रामस्वरूप, लक्ष्मण सिंह, सुरेंद्र, रूपराम व नरेंद्र आदि शामिल हैं। अस्पताल से महिला सहित दो घायलों को हायर सेंटर रेफर कर दिया।

हैफेड ने 145 करोड़ का किया भुगतान

किसानों के खातों में पहुंचे सरसों व गेहूं के करोड़ों रुपये

हैफेड ने 1428 किसानों के खाते में गेहूं की 18.01 करोड़ की राशि भी डाली

हेमंत शर्मा ▶▶| रेवाड़ी

जिले की अनाजमंडियों ने सरसों व गेहूं खरीद ने खरीद काफी रफ्तार से चल रही है। खरीदी गई फसल के गोदामों में पहुंचने के साथ किसानों के खातों में खाते में पैसा भी आ रहा है। रेवाड़ी, बावल व कोसली मंडी में अब तक 85040 मीट्रिक टन सरसों की आवक हो चुकी है, जिसमें से 258410 क्विंटल हैफेड व 508996 क्विंटल सरसों की वेयर हाउस कार्पोरेशन ने एमएसपी पर खरीद की है, जबकि 83 हजार क्विंटल के करीब सरसों की प्राइवेट खरीद की गई है। इसके अलावा हैफेड व फूड एंड सप्लाई विभाग की ओर से 2 लाख 60 हजार क्विंटल से अधिक गेहूं भी खरीदा जा चुका है। हैफेड की ओर से नैफेड के लिए तीनों अनाजमंडियों में खरीदी गई सरसों की 145.98 करोड़ रुपए की राशि भी किसानों के खाते में डाल दी गई है। इसके अलावा किसानों के खाते में अब तक खरीदे गए गेहूं की राशि भी डाल दी है, जबकि वेयर हाउस की ओर से अभी अनामंडियों से उठान प्रक्रिया पूरी की जा रही है। रेवाड़ी, कोसली व बावल अनाजमंडी में हैफेड की ओर से सरसों का उठान पहले ही किया जा चुका है, फिलहाल वेयर हाउस की ओर से सरसों का उठान किया जा रहा है। उठान होने के साथ ही किसानों के खाते में पेमेंट किया जा रहा है।

हैफेड की ओर से खरीदी गई 25841.65 एमटी सरसों के 145.98 करोड़ रुपए 13083 किसानों के खाते में डाले गए है, जिसमें बावल अनाजमंडी के 3005 किसानों की 6023.2 एमटी सरसों के 34.03 करोड़, कोसली अनाजमंडी के 5986 किसानों की 12225.3 एमटी सरसों के 69.06 करोड़ तथा रेवाड़ी अनाजमंडी के 4092 किसानों की 7593.15 एमटी सरसों के 42.89 करोड़ रुपये खातों में डाले गए।

रेवाड़ी। रेवाड़ी अनाजमंडी में लगी सरसों की ढेरी। फोटो : हरिभूमि

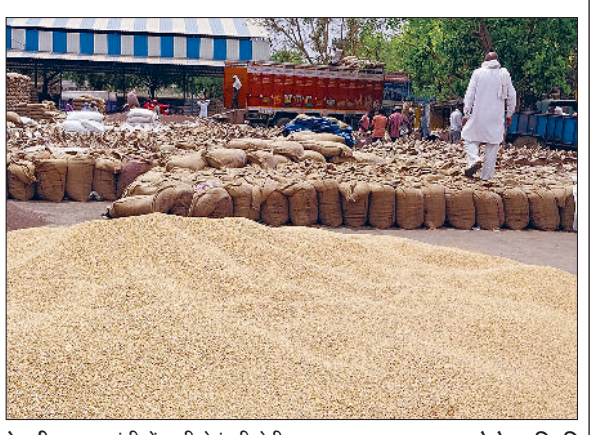

रेवाड़ी। अनाजमंडी में लगी गेहूं की ढेरी। फोटो : हरिभूमि

गेहूं राशि भी खातों में पहुंच रही

रेवाड़ी व कोसली अनाजमंडी में हैफेड की ओर से 113050.9 क्विंटल व फूड एंड सप्लाई विभाग की ओर से 137000 क्विंटल सरसों की खरीद की गई है। दोनों विभाग की ओर से खरीदे गए गेहूं की पेमेंट करने की प्रोसेसिंग की जा रही है। हैफेड की ओर से रविवार तक 1428 किसानों के खाते में 18.01 करोड़ की राशि डाल दी गई है, जिसमें कोसली में 1167 किसानों के 6475.85 एमटी गेहूं की 14.72 करोड़ व रेवाड़ी में 261 किसानों के 1449 एमटी गेहूं के 3.29 करोड़ रुपए की राशि किसानों क खातों में पहुंच चुकी है।

उठान सही होने से सभी को फायदा

किसानों ने कहा कि उठान की व्यवस्था धीमी गति से चल रही है, जिससे अनाजमंडी में फसल डालने के लिए काफी इंतजार करना पड़ रहा है। अनाजमंडी में पड़ी फसल के उठान में तेजी लाने की आवश्यकता है। उठान तेजी से होगा तो इससे किसानों व आढ़तियों को तो फायदा होगा ही, साथ ही सरकार को भी फायदा होगा। जब गेहूं व सरसों की फसल तोलकर कट्टों में भर दी जाती है तो उसके बाद इसकी जिम्मेदारी प्रशासन व सरकार की होती है। फसल के गोदामों में पहुंचने पर ही पेमेंट करने की प्रक्रिया शुरू होती है। हैफेड डीएम प्रवीण कुमार ने कहा कि फसल खरीद के बाद पोर्टल पर अपलोड किया जाता है और किसानों की फसल की राशि खातों में डालना शुरू कर दिया जाता है। खरीद प्रक्रिया में थोड़ा समय लगता है। कुछ किसानों की पेमेंट खातों में डाली जा रही है।

यादव कल्याण सभा की बैठक आयोजित, आगामी कार्यों को लेकर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

यादव कल्याण सभा की विशेष बैठक रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्रीकृष्ण भवन में प्रधान रामबीर यादव की अध्यक्षता व मुख्य सरंक्षक महंत लाल दास के सानिध्य में आयोजित की गई। सभा के जनरल सेक्रेटरी डा. एल एस यादव ने सभी कार्यकारिणी सदस्यों के अभिनंदन किया। उन्होंने श्रीकृष्ण भवन के लिए अब तक यादव समाज से एकत्रित की गई दान राशि व भवन निर्माण पर अब तक खर्च की गई राशि का ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होंने भवन के इन्फ्रास्ट्रक्चर बारे में भी जानकारी साझा की, जिसमें द्वितीय तल के हाल को वातानुकूलित करने, तीन लिफ्ट लगवाने, ई-लाईब्रेरी वातानुकूलित भवन का निर्माण करवाने तथा 50 किलो वाट सोलर पावर प्लांट लगवाना शामिल है। मीटिंग में मई में जनरल बाडी की मीटिंग करने का फैसला किया गया। प्रधान रामबीर यादव ने बताया कि वार्षिक उत्सव

के दौरान ऑडिटोरियम भवन पूरा करने के लिए दीपक यादव की ओर से की गई घोषित राशि अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। चुनाव बाद वह अवश्य अपनी घोषणा पर अमल करते हुए ऑडिटोरियम का कार्य पूरा कराएंगे। इस अवसर पर मुख्य संरक्षक महंत लाल दास ने कहा कि सभा यादव समाज उत्थान के लिए निरंतर कार्य करती रहे। उन्होंने कोचिंग सेंटर व अन्य वेल्फेयर कार्य शुरू कराने पर विशेष बल दिया।

सी-विजिल एप: शिकायत पर तुरंत कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल हुड्डा ने कहा कि भारतीय निर्वाचन आयोग का सी-विजिल एप देश के सभी मतदाताओं को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन रोकने में सक्षम बनाता है। देश का कोई भी नागरिक कहीं भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता हुआ देखे तो उससे संबंधित फोटो, वीडियो, ऑडियो व अन्य साक्ष्य इस पर अपलोड कर भारत निर्वाचन आयोग की मदद कर सकता है। उन्होंने आमजन से लोकसभा आम चुनाव को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में भारत निर्वाचन आयोग की मदद करने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि भारत

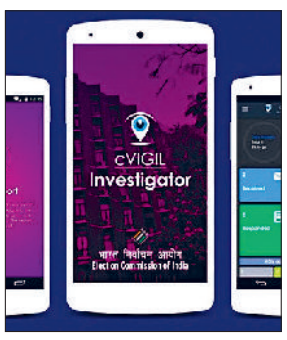

रेवाड़ी। सी-विजिल एप का लोगो।

निर्वाचन आयोग सी-विजिल एप पर प्राप्त शिकायतों की सत्यता की परख कर संबंधित पर कार्रवाई सुनिश्चित करता है। यह एप देश के सभी नागरिक को निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने में मदद का अवसर देता है। सी-विजिल एप के माध्यम से आमजन हथियारों का प्रदर्शन, शराब या नशा वितरण, धन वितरण, संपत्ति विरूपण, फर्जी समाचार सांप्रदायिक घृणा भाषण, मुफ्त वितरण, धमकी देना, मुफ्त परिवहन व पेड न्यूज से संबंधित शिकायत दर्ज कराकर भारत निर्वाचन आयोग व जिला प्रशासन की मदद कर सकते हैं।

एप का सॉफ्टवेयर शिकायतकर्ता की पहचान, सुरक्षा व निजता को भी गोपनीय रखता है। डीसी ने बताया कि सी-विजिल एप पर प्राप्त शिकायत के 100 मिनट के भीतर स्टेटस रिपोर्ट प्राप्त होती है। चुनाव के दिनों में आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट करने के लिए इस एप को बनाया गया है। उन्होंने बताया कि आचार संहिता उल्लंघन से संबंधित फोटो व वीडियो एप के माध्यम से क्लिक व रिकार्ड कर सकते हैं। एप के माध्यम से यूजर चुनाव सीमा के भीतर एप्लीकेशन के जरिए साइन-इन कर मोबाइल फोन के माध्यम से फोटो,ऑडियो व वीडियो लेकर आदर्श आचार संहिता उल्लंघन की रिपोर्ट कर सकता है।

इस एप के साथ यूजर को किसी तरह की शिकायत करने के लिए अपनी पहचान बताने की जरूरत भी नहीं है। जैसे ही यूजर उल्लंघन की रिपोर्ट के लिए एप का कैमरा ऑन करता है, वैसे ही ऑटोमैटिकली जियो-टैगिंग इनेबल हो जाती है। इस सुविधा के इनेबल होने से घटना के सटीक लोकेशन की जानकारी मिलती है।

अप्रैल माह में लगातार साफ नहीं रहा मौसम

तापमान में कमी से राहत नहीं, आज बूंदाबांदी के आसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

लगभग पूरा अप्रैल माह मौसम में परिवर्तन बना रहा है। कभी तेज धूप, तो कभी आसमान में बादलों के साथ बूंदाबांदी। बीच-बीच में ओलावृष्टि ने भी किसानों को परेशान किया है। अब गर्मी लोगों को जमकर परेशान कर रही है। तापमान में मामूली गिरावट के बावजूद गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह के शुरू में ही बूंदाबांदी व तेज हवाएं चलने की संभावना है। रविवार को सुबह के समय आंशिक बादलों के बाद दोपहर तक मौसम साफ हो गया। इससे भारी गर्मी ने लोगों के पसीने छुड़ाना शुरू कर दिया। दोपहर के समय गर्मी के कारण सड़कों पर आवागमन कम हो गया। बाजार से भीड़ गायब रही। अधिकतम तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 39 डिग्री पर आ गया, जबकि न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। यह 23 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। रात के तापमान में कमी के कारण सुबह और शाम के समय ही गर्मी से राहत मिलती है। मौसम सुहाना बना रहता है, परंतु दोपहर तक गर्मी लोगों को घरों में ही रहने पर मजबूर कर देती है। बाजार में दोपहर के समय वीरानी सी छाई रहती है। ग्राहकों के इंतजार में दुकानदार अपनी दुकानों पर आराम फरमाते हैं। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को भी आसमान में बादल छाने व तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी की संभावना है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। मई माह के पहले सप्ताह में मौसम साफ होने की उम्मीद है। इसके बाद तापमान बढ़ने से भारी गर्मी और हीटवेव का प्रकोप लोगों को परेशान कर सकता है। अप्रैल माह के शुरू से ही मौसम में बदलाव ने किसानों को जमकर परेशान किया है। पहले सप्ताह में कुछ इलाकों में ओलावृष्टि से किसानों का काफी नुकसान हुआ था। इसके बाद बार-बार मौसम में बदलाव के चलते किसानों ने समय से पहले सरसों और गेहूं की फसल निकालने के प्रयास किए थे।

रेवाड़ी। गर्मी में पेय पदार्थ पीते हुए लोग।

नियमों के विरुद्ध प्रचार सामग्री छापने पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई

राहुल हुड्डा।

रेवाड़ी। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल हुड्डा ने जिले के प्रिंटिंग प्रेस मालिकों को बिना जांच पड़ताल व नियमों के विरूद्ध जाकर कोई भी चुनाव प्रचार सामग्री प्रकाशित न करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान मुद्रक व प्रकाशक के नाम के बिना चुनाव से संबंधित पम्पलेट व पोस्टर छापना जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा 127 ए का उल्लंघन है और ऐसा करने वाले प्रिंटर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा-188 के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रिंटिंग प्रेस संचालक को चुनाव से संबंधित हर सामग्री पर मुद्रक व प्रकाशक का नाम अवश्य छापें। उन्होंने कहा कि भारतीय चुनाव आयोग ने लोकसभा उम्मीदवारों के खर्च की सीमा निर्धारित की हुई है, इसलिए यह जरूरी है कि उनके पम्पलेट व पोस्टर आदि के खर्च का भी पूरा हिसाब किताब रहे। डीसी ने बताया कि लोकसभा आम चुनाव से संबंधित पम्पलेट व पोस्टर आदि उसी स्थिति में छापें जब सामग्री छपवाने वाला व्यक्ति हलफनामे के साथ दो गवाह दें और उनके हस्ताक्षर भी लेने जरूरी हैं।

यादव सभा के कैंप में 162 ने उठाया स्वास्थ्य लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार को यादव कल्याण सभा की ओर से गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्रीकृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 162 लोगों को परामर्श देकर फ्री दवाईयां भी प्रदान की गई। कैंप में डा एच आर यादव ने मेडिसिन, डॉ आर बी यादव ने हड्डीरोग, डॉ प्रदीप यादव ने सर्जरी, डॉ योगेन्द्र यादव ने चर्मरोग व डॉ कंचन यादव ने नेत्ररोग के मरीजों की जांच की। शिविर में प्रधान रामबीर यादव, प्रोफेसर आर एस यादव, डॉ यशपाल यादव, जसवंत सिंह यादव, अमर सिंह, राम सिंह, सुरेंद्र सिंह, बिक्रम व सभा प्रवक्ता प्रोफेसर सतीश यादव का योगदान रहा। शिविर में मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गई।

करतार बने बिठवाना मंडी एसोसिएशन के प्रधान

रेवाड़ी। बिठवाना सब्जीमंडी में रविवार को फल-सब्जी होलसेल एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर सर्वसम्मति से एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में एडवोकेट करतार सिंह सैनी को प्रधान, योगेश सैनी को उप प्रधान, शिवांग सतीजा को सचिव, रमेश मनचंदा को सह सचिव व गोपाल ढुआ को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा भगवान सैनी, दिलबाग धींगड़ा, नरेन्द्र कुमार, रोशन, राजकुमार, यशपाल, रोशन सैनी, भगवानदास सैनी, सुनील नागपाल, मूलचंद, सीताराम, कमलेश सैनी व चौधरी बिल्लू को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है।

भूरानंद बगीची में बजरंग दल ने की बैठक

रेवाड़ी। रविवार को बजरंग दल की बैठक बाबा भूरानंद बगीची कालका रोड़ पर महाराज विजेंद्र पुरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला संयोजक सुमित शर्मा व विभाग मंत्री संजय गुप्ता भी मौजूद थे। महाराज ने कहा कि ईश्वरीय कार्य व धर्म की स्थापना के लिए भगवान पृथ्वी पर अवतार लेते थे। अब यह कार्य संगठन कर रहे है। इसलिए संगठन कार्य को ईश्वरीय कार्य कहा गया है। बजरंग दल की स्थापना 8 अक्टूबर 1984 को हुई, जब विश्व हिन्दू परिषद ने राम जानकी रथ यात्रा निकालनी थी तो उत्तर प्रदेश की सरकार और प्रशासन ने सुरक्षा देने से मना कर दिया, तब विश्व हिन्दू परिषद ने देश के युवाओं से आह्वान किया तो लाखों की संख्या में युवा एकत्रित हुए और विधिवत रूप से बजरंग बली को आदर्श मान कर बजरंग दल की घोषणा की गई। जिस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण गोसेवा और गोरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते थे,उसी प्रकार बजरंग दल ने प्रथम स्थान पर गोमाता की सेवा को रखा है, जिससे अमृत की तरह दूध प्राप्त होता है तथा गोमूत्र से कई तरह की बीमारियों को निवारण होता है। गाय के गोबर से ऑक्सीजन की प्राप्ति होती है।

खबर संक्षेप

युवा स्पोर्ट्स क्लब कबड्डी खेल प्रतियोगिता 5 को

मंडी अटेली। युवा स्पोर्ट्स क्लब कबड्डी खेल प्रतियोगिता गणियार में 5 मई को आयोजित की जा रही है। इस में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं होगी। इस खेल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि अर्जुन अवार्डी अनूप कुमार यादव व विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव तथा अटेली की विधायक सीताराम यादव रहेंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन रिटायर्ड डीएसपी विजयपाल यादव करेंगे।

देश के लिए तीन लड़ाइयां लड़ने वाले रघुवीर नहीं रहे

मंडी अटेली। खंड सिहमा के सुनील बोस के 91 वर्षीय पिता

रघुवीर सिंह मास्टर का रविवार को निधन हो गया। वह पिछले 4 माह से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज गुरुग्राम में चल रहा था। अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। इन्होंने फौज में रहते हुए देश के लिए तीन लड़ाइयां लड़ने के बाद सेवानिवृत हो गए। उसके बाद 10 वर्ष तक शिक्षक के रूप में कार्य करते हुए हेड मास्टर के पद रिटायर हो गए।

राधाकृष्ण संगठन ने निकाली प्रभात फेरी

नारनौल। राधा नाम की अलख जगाने वाली राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 67वीं प्रभात फेरी का आयोजन चौधरी हरप्रसाद चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से संचालित कुटुंब पैलेस महता चौक से किया गया। जिसके यजमान वेदप्रकाश बंसल, अल्पना बंसल ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती की। सुबह का आगाज भक्ति में वातावरण के साथ सैकड़ों धर्म प्रेमियों ने नाचते गाते बजाते राधे नाम का जाप किया।

श्रीश्याम अरदास मंडल ने करवाया जागरण

नारनौल। श्रीश्याम अरदास मंडल के तत्वावधान में शनिवार रात को नई मंडी में चंद्रशेखर मित्तल व शिवकुमार मित्तल के निवास स्थान पर भव्य जागरण हुआ। इस अवसर पर कैलाश चौधरी ने बाबा का भव्य दरबार रंग-बिरंगे फूलों व लाइटों से सजाया। मंडल के प्रवक्ता संजय गोयल ने बताया कि आचार्य नवीन कौशिक ने मुख्य यजमान चंद्रशेखर मित्तल से परिवार सहित मंत्र उच्चारण के साथ अखंड ज्योति प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

पटका पहनाकर व स्मृति चिह्न देकर अतिथियों को किया सम्मानित

नेकी की दीवार नीड़ी हेल्प ग्रुप के शिविर में 52 यूनिट रक्त किया एकत्र

हर स्वस्थ व्यक्ति को साल में कम से कम तीन बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए, इससे शरीर में नए खून का होता है निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। कैम्प में रक्तदान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। शहर की अग्रणी संस्था नेकी की दीवार नीड़ी हेल्प ग्रुप की ओर से रविवार को 11वां रक्तदान कैम्प जैन मांगलिक भवन तालाब बहादुर सिंह के प्रांगण में लगाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राव सुखबिंद्र सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राकेश यादव चेयरमैन यूएसएसएल अकेडमी ने की। विशेष आमंत्रित अतिथि वीरेंद्र दीवान प्रमुख समाजसेवी, विशिष्ट अतिथि विपिन शर्मा पूर्व जिला बाल कल्याण अधिकारी, एडवोकेट नितिन चौधरी, एडवोकेट सुधीर कुमार सेन, दलजीत गौतम शास्त्री व पवन कुमार यादव प्रमुख समाजसेवी थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राव सुखबिंद्र सिंह ने कहा कि साल में कम से कम तीन बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इससे शरीर में नया खून बनता है। कार्यक्रम अध्यक्ष राकेश यादव ने युवाओं से अपील की कि जब जब ऐसे रक्तदान कैम्प का आयोजन होता है, तो उसमे युवाओं को अवश्य रक्तदान करना चाहिए। विशिष्ट आमंत्रित अतिथि वीरेंद्र दीवान ने कहा कि संस्था की ओर से अनेक सराहनीय कार्य किए जा रहे है। विशिष्ट अतिथि विपिन शर्मा, पवन यादव, नितिन चौधरी, सुधीर कुमार, दलजीत गौतम शास्त्री ने संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्था के सदस्य मनीष गोगिया में नेतृत्व में अच्छा व बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहे है। कार्यक्रम संयोजक संदीप जैन, निखिल जैन, कुणाल शुक्ला, विकास जैन ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। अंत में संस्था के सभी साथियों ने मिलकर पटका पहनाकर व स्मृति चिह्न देकर अतिथियों को सम्मानित किया। वहीं मनीष गोगिया, डा. शिवकुमार ने स्वास्थ्य विभाग ब्लड बैंक नागरिक अस्पताल की टीम व रेडक्रॉस सोसायटी की टीम का सहयोग करने पर आभार प्रकट किया और सभी को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया। कैम्प में कुल 52 यूनिट एकत्रित किया गया। संस्था की ओर देव शर्मा, कुणाल, निखिल जैन, संदीप ने सभी रक्तदाताओं का आभार प्रकट किया। इस मौके पर मदनलाल गोगिया, नितिन चौधरी, राकेश यादव, जितेंद्र योगी, दिनेश गोगिया, वीरेंद्र दीवान, पवन यादव, नवीन हरियाणवी, मनीष गोगिया, देव शर्मा, हनी गुप्ता, अतर सिंह, संदीप जैन, राजू शर्मा, टीटू सोनी, पतराम गौतम, करण चुनवाल, अनिल शर्मा, वेदप्रकाश, संजय शर्मा, भीम शर्मा आदि मौजूद थे।

भारत विकास परिषद ने निर्धन बच्चों की जांच एवं उपचार के लिए लगाया शिविर, 30 ने उठाया लाभ

नारनौल। भारत विकास परिषद शाखा नारनौल की महिला इकाई द्वारा अभावग्रस्त बच्चों के स्वास्थ्य जांच शिविर शहर के प्रतिष्ठित दुर्गा बच्चों के अस्पताल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका प्रीति शर्मा ने बताया कि इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अभावग्रस्त बच्चों के ईलाज एवं स्वास्थ्य जागरूकता हेतु किया गया, जिसमें लगभग 30 बच्चों की स्वास्थ्य जांच एवं उपचार किया गया। अस्पताल के संचालक डॉ. निखिल शर्मा एवं डॉ. विभा शर्मा ने कहा कि भारत विकास परिषद का यह सराहनीय प्रयास है कि निर्धन बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक है। इससे स्वस्थ भविष्य का निर्माण होता है। उन्होंने बताया कि आज के शिविर में अनीमिया, उल्टी दस्त, दांत रोग, नेत्र विकार एवं कुपोषण जैसे रोगों का निदान किया गया। अस्पताल की ओर से निःशुल्क दवाईयां दी गई। ऐसे जरूरतमंद बच्चों के लिए एक माह तक फ्री ओपीडी की व्यवस्था भी की गई है। शाखा की महिला संयोजिका प्रतिमा भारद्वाज ने कहा कि शाखा के सभी सदस्यों के सहयोग की बदौलत बाल स्वास्थ्य जांच शिविर के सकारात्मक परिणाम आए हैं। भविष्य में भी यह अभियान जारी रखने की योजना बनाई जाएगी। परिषद के पूर्व अध्यक्ष अश्वनी कटारिया ने कहा कि यह एक अच्छा प्रकल्प है। इस अभियान को सतत चलाना चाहिए, ताकि बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल में मदद मिल सके। परिषद की ओर से डॉ. विभा एवं डॉ. निखिल शर्मा को सम्मानित किया गया।

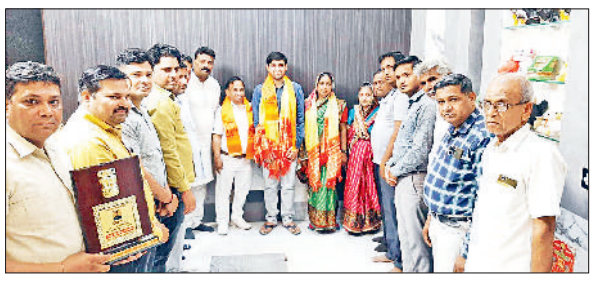

दीपांशु गुप्ता को सैनी सभा ने किया सम्मानित

नारनौल। हाल ही में घोषित हुए यूपीएससी परीक्षा में 119वीं रैंक प्राप्त करके आईपीएस चयनित होने वाले मोहल्ला चांदुवाड़ा निवासी दीपांशु गुप्ता को रविवार को सैनी सभा की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सैनी सभा के प्रधान बिशनकुमार सैनी एवं समस्त कार्यकारिणी के सदस्यों ने दीपांशु गुप्ता को स्मृति चिह्न भेंट करके सम्मानित किया व उनकी माताजी उषा गुप्ता तथा चाचा मुकेश गुप्ता को बधाई दी। इस अवसर पर बिशनकुमार सैनी ने कहा कि दीपांशु ने कड़ी मेहनत करके न केवल अपने माता-पिता व परिवार का बल्कि शहर और प्रदेश का भी नाम रोशन किया है। उन्होंने साबित किया है कि इरादा पक्का हो तो कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इस सफलता से अन्य युवाओं को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिले में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। देश की सभी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में क्षेत्र के युवा अपनी प्रतिभा का लौहा मनवा रहे हैं। इस मौके पर सभा के उपप्रधान रोहतास सैनी, महासचिव निहाल सैनी, सचिव भारत सैनी, कोषाध्यक्ष बलवंत सैनी, कार्यकारिणी सदस्य रामनिवास सैनी, डा. राजकुमार सैनी, मदनलाल सैनी, अधिवक्ता कृष्ण सैनी, बिजेंद्र सैनी, मास्टर नरवर सैनी, कैलाश सैनी, विजय सैनी आदि मौजूद थे।

हरियाणा पब्लिक स्कूल को बेस्ट ऑलराउंडर अवॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

डा. हितेश वर्मा।

क्षेत्र के हरियाणा पब्लिक स्कूल को इंडियन स्कूल अवार्ड की ओर से शनिवार सायं मुंबई में आयोजित 15वें अवार्ड समारोह में बेस्ट ऑल राउंडर स्कूल अवार्ड से नवाजा गया। विद्यालय एमडी डा. हितेश वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय स्तरीय समारोह में समस्त देश के अनेक विद्यालय इस अवॉर्ड समारोह में सम्मिलित हुए थे।

सभी विद्यालयों की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, स्पोर्ट्स एवं विभिन्न गतिविधियों पर विचार करते हुए समारोह के वरिष्ठ निर्णायक मंडल की ओर से विभिन्न विद्यालयों को अलग-अलग कैटेगरी हेतु चुना गया। जिसमें हरियाणा पब्लिक स्कूल को बेस्ट ऑलराउंडर स्कूल अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्यातिथि वरिष्ठ पत्रकार बरखा दत्त ने विद्यालय के एमडी डा. हितेश वर्मा को प्रशस्ति पत्र एवं अवार्ड भेंटकर सम्मानित किया। विद्यालय चेयरमैन सुभाष चंद वर्मा एवं निदेशक पुष्करमल वर्मा ने बताया कि हरियाणा पब्लिक स्कूल पिछले 18 वर्ष से क्षेत्र के विद्यार्थियों को समग्र शिक्षा के साथ-साथ उचित मार्गदर्शन एवं खेलकूद की दिशा में बेहतर सुविधाएं प्रदान कर रहा है। जिसका परिणाम है कि आज विद्यालय के अनेक विद्यार्थी आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, इंजीनियर, सीए, एनडीए आदि विभिन्न क्षेत्रों में देश सेवा कर रहे हैं।

हैप्पी स्कूल के 42 छात्रों ने जेईई मेन परीक्षा में लहराया परचम

महेंद्रगढ़। डुलाना रोड स्थित हैप्पी एवरग्रीन स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों ने जेईई मेन-2024 की परीक्षा में अपनी योग्यता और प्रतिभा का परिचय देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। परीक्षा में हर्ष पुत्र योगेश कुमार 99.55 परसेंटाइल के साथ उच्च स्थान पर रहा। इसके अलावा छात्र नितेश ने 97.5, क्रिश यादव ने 96.1, सौरव ने 96.8, केशव 93.37, गौरव ने 90.3, भविष्य ने 89.24, राशि ने 87.25 व राहुल कुमार ने 80 परसेंटाइल के साथ सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। संस्था प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने कहा कि यह सभी हैप्पी स्कूल के हीरे हैं, जो विद्यालय के मेहनती एवं अनुभवी अध्यापकों के द्वारा तराशे गए हैं। प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकानाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मैनेजर चंचल अग्रवाल ने इस शानदार उपलब्धि के लिए विद्यालय के सभी सीनियर विंग के कोचिंग एक्सपर्ट, दिनेश यादव, विकास मराठा, प्रदीप यादव,

विंग हैड संजीव कुमार शर्मा को शानदार परिणाम देने के लिए बधाई प्रेषित की तथा सभी सफल विद्यार्थियों के अभिभावकों को इस शानदार परिणाम के लिए विद्यालय स्टाफ को बधाई प्रेषित की। चेयरमैन सुभाष चंद्र अग्रवाल तथा उप संचालिका कौशल्या अग्रवाल ने कहा कि हमारी संस्था के विद्यार्थी प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते आ रहे हैं और अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते आ रहे हैं। हर बार की तरह है इस बार भी हमारे विद्यार्थियों ने अपनी सफलता के माध्यम से हमारा मस्तक गर्व से ऊंचा और सीना चौड़ा कर दिया है।

कल्पना चावला हाउस की व्याकरण गुरु टीम प्रथम

- आरपीएस में अंतर सदनीय अंग्रेजी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस स्कूल खातोद की मीडिल विंग में अंतर सदनीय अंग्रेजी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में कल्पना चावला हाउस की व्याकरण गुरु टीम प्रथम, एपीजे अब्दुल कलाम हाउस की टीम ब्रिलिएंस ब्रिगेड द्वितीय तथा मदर टेरेसा हाउस की टीम दिमाग के जादूगर तृतीय स्थान पर रही। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि अंग्रेजी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेने से विद्यार्थियों को कई लाभ मिलते हैं। यह न केवल भाषा कौशल में सुधार करता है, बल्कि सार्वजनिक रूप से बोलने और त्वरित निर्णय लेने में आत्मविश्वास भी पैदा करता है। इसके अतिरिक्त, प्रतियोगिता की सहयोगात्मक प्रकृति प्रतिभागियों के बीच टीम वर्क और सौहार्द को बढ़ावा देती है। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने कहा कि अंग्रेजी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए उनके भाषा कौशल को बढ़ाने, उनकी शब्दावली का विस्तार करने और साहित्य के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है।

ये रहे विजेता

विंग हैड अमित कुमार व सब कोर्डिनेटर प्रीतिका शर्मा ने बताया कि अंग्रेजी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अलग-अलग राउंड में प्रतिभागियों से व्याकरण, शब्दावली, साहित्य और सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे गए। टीमों ने दिलचस्प सवालों का बड़े से विश्लेषणात्मक सोच से जवाब दिया। इस दौरान टीम सदस्यों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित मिला। प्रतियोगिता में कल्पना चावला हाउस की व्याकरण गुरु टीम 8 पास्कल से गौरव, 7 चरक से साक्षी, 6 चरक से सृष्टि की टीम प्रथम, एपीजे अब्दुल कलाम हाउस की ब्रिलिएंस ब्रिगेड टीम से 8 चरक से, 7 भास्कर से मन्नत, 6 भास्कर से मधुकृष्ण की टीम द्वितीय तथा मदर टेरेसा हाउस की दिमाग के जादूगर टीम में 8 हेनरी से दीपांशु, 7 भास्कर से अर्पित, 6 चरक से भव्य की टीम तृतीय स्थान पर रही।

यदुवंशी थनवास में दंत चिकित्सा परामर्श शिविर लगाया

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन थनवास में दंत चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एकलव्य दंत चिकित्सालय कोटपूतली की चिकित्सक टीम ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं, अध्यापकों, चालक-परिचालक व गांवों से पहुंचे हुए अभिभावकों की जांच कर उचित परामर्श दिया। इस टीम में डा. आरिफ सिद्धकी, डा. बितुपन, डा. शारदा, सुनिता, तान्या, सुनीता, तन्नु आदि शामिल थे। इस अवसर पर शिविर में सभी को निःशुल्क दवा भी उपलब्ध करवाई गई। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि यदुवंशी ग्रुप समय-समय पर इस प्रकार के शिविर आयोजित करता रहता है। डायरेक्टर सुनिता यादव ने बताया कि विद्यालय हमेशा से सभी के स्वास्थ्य की चिंता करता है तथा लाभ पहुंचाता है। प्राचार्य रमेश यादव ने चिकित्सक टीम का स्वागत किया। प्राचार्य ने बताया कि टीम ने सभी को उचित परामर्श दिया। इस मौके पर एकेडमिक इंचार्ज जीडी शुक्ला, हेड सुरेश सैनी आदि मौजूद रहे।

सूरज स्कूल के छात्रों का जेईई मेन्स में रहा दबदबा

- सूरज स्कूल के विद्यार्थियों ने बेहतर परिणाम से जिले को दिलाई नई पहचान : संदीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित जेईई मेन्स-2 की परीक्षा के साथ विद्यार्थियों का फाइनल स्कोर जारी किया गया, जिसमें सूरज स्कूल के विद्यार्थियों का परिणाम बेहतरीन रहा और बहुत से विद्यार्थियों ने अपना स्कोर बढ़ाया।

संस्था निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा इस परीक्षा का आयोजन दो सत्र में करवाया गया, जिसमें सभी परीक्षार्थी अपनी सुविधानुसार पुनः परीक्षा में भी भाग लिया तथा इस फाइनल परीक्षा के परिणाम में सर्वाधिक युवराज 99.86, दीपक यादव ने 99.65, भावेश 99.30, अशोक 99.02 एवं मीनाक्षी ने 99.01 परसेंटाईल अंक हासिल कर विद्यालय की टॉप-5 श्रेणी में स्थान बनाया। आदित्य तिवारी ने 98.70, अतुल ने 98.50, श्वेता ने 98.33, प्रीतम ने 98.28, अल्का ने 98.23, मनु कौशिक ने 98.18, तिलक वत्स ने 97.80, पुष्पांजलि ने 97.59, अमित ने 97.43, प्रदीप ने 97.29, हिमांशु यादव ने 97.29, समीक्षा ने 97.25, कुणाल वत्स ने 96.80, प्रगति दुबे ने 96.80, सुमित 96.50, आयुष ने 96.38, अंतिम ने 96.23, अमन ने 95.07, जतिन ने 94.79, मानव प्रताप ने 94.73 सहित अन्य बहुत से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने श्रेष्ठतम परसेंटाइल अंक हासिल कर अपनी अद्भुत क्षमता का परिचय देते हुए विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया किया। जेईई मेन्स की परीक्षा को उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा प्राप्त करके देश की सेवा करते हैं। आज के इस वैज्ञानिक युग में इस परीक्षा का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। सूरज स्कूल के होनहार विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा हासिल करके देश को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अपना अभूतपूर्व योगदान देकर देश को उन्नति एवं विकास के पथ पर अग्रसित करेंगे।

पीटीएम में समस्याओं के समाधान पर फोकस

कनीना। एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में रविवार को अध्यापक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 930 से अधिक अभिभावकों ने हिस्सा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों की शिक्षा व दिनचर्या सम्बंधी समस्याओं के समाधान पर फोकस किया। अभिभावकों ने विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर विद्यालय प्रबंधन व विषय अध्यापकों के साथ अध्ययन संबंधी समस्याओं के समाधान, शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ अन्य गतिविधियों व विषयों पर विचार-विमर्श किया। अभिभावकों ने अपने बच्चों की दिनचर्या उनके व्यवहार समय-सारिणी, रूचि आदि से संबंधित पहलुओं से प्रबंधन व संबंधित अध्यापकों से परिचित करवाया और अपने बच्चों की प्रगति रिपोर्ट लेने में रूचि दिखाई। विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव ने अध्यापक-अभिभावक बैठक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बैठक जागरूक अभिभावकों के लिए अध्यापकों से समय-समय विचार-विमर्श करने व बच्चों के लिए सही मार्ग का चयन व सहयोग का आधार है। जिस प्रकार तीन भुजा एक साथ मिलकर त्रिभुज का आकार बनाती है, उसी प्रकार अभिभावक के सहयोग से बच्चे बड़े से बड़े लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकते है।

आंबेडकर ने विपरीत परिस्थितियों में भी विश्व में कीर्तिमान स्थापित किया: जरनैल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

■ आंबेडकर भवन में मनाया गया बाबा साहेब का जयंती समारोह

**डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक समिति के तत्वाधान में रविवार को स्थानीय आंबेडकर भवन में जिला स्तरीय बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 133वीं जयंती समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि रिटायर्ड सेशन जज जरनैल सिंह थे, जबकि अध्यक्षता डॉ. मेजर सूरत सिंह द्वारा की गई। कार्यकम में संस्था के प्रशासक पूर्व सीएमओ डॉ. ओपी आर्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में रिटायर्ड प्राचार्य डॉ. शिवताज सिंह, शेरसिंह, रिटायर्ड बीईओ मानसिंह नूनीवाल व भूपसिंह भारती रिटायर्ड प्रवक्ता रहे। अतिथियों द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात एक भव्य शोभायात्रा के साथ अतिथियों को आयोजन स्थल पर लाया गया। कार्यक्रम में मंच का संचालन अंग्रेजी प्रवक्ता विजयपाल व मास्टर सुरेशचंद्र सरोहा द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में बाबा साहेब के जीवन पर अनेक कलाकारों की मनमोहक स्वर ध्वनियों से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बाबा साहेब के अविस्मरणीय योगदान को गीत व नृत्य के द्वारा बेहतरीन प्रस्तुति के साथ प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा कार्यक्रम में होनहारों विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मुख्यातिथि रिटायर्ड सेशन जज जरनैल सिंह व डॉ. मेजर सूरत सिंह द्वारा बाबा साहेब के जीवन पर प्रकाश डाला।

नेशनल हाईवे पर कट की मांग को लेकर ग्रामीण धरने पर

कट के आश्वासन के बावजूद शुरू नहीं किया कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

मंडी अटेली में रेलवे अंडरपास की मांग को लेकर पंचायत करते ग्रामीण।

नेशनल एक्सप्रेस-वे 152-डी पर सेहलंग-बागोत के बीच वाहनों के उतार-चढ़ाव मार्ग बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों की ओर से मार्च 2023 से शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना रविवार को 413वें दिन भी जारी रहा। जिसकी अध्यक्षता बाबूलाल सेहलंग ने की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार में मंत्री नितिन गडकरी की ओर से कट बनाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन कार्य अभी तक शुरू नहीं किया गया है। अब लोकसभा चुनाव तय होने के बाद असमंजस की स्थिति बन गई है। धरनारत ग्रामीण 40 डिग्री तापमान में भी धरने पर अडिग हैं। सरकार की ओर से एनएच 152-डी पर कट का निर्माण कार्य जल्द शुरू करवाना चाहिए। धरना संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय सिंह व सदस्य नरेंद्र शास्त्री ने कहा कि ग्रामीण कट बनाने की मांग को लेकर सालभर से अधिक समय हो गया है। सरकार धरना स्थल पर बैठे ग्रामीणों मांग पर काम शुरू नहीं कर रही है। जिससे उनमें रोष बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक कट का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो जाता तब तक उनका धरना जारी रहेगा। इस मौके पर हरिओम पोता, प्यारेलाल, वेदप्रकाश, बेड़ासिंह, रामकिशन, सूबेदार सुखबीर सिंह, धर्मपाल सिंह, मुंशीराम, सूबेसिंह, रघुवीर, सीताराम, रमेश कुमार, मांगेराम, हवीरेंद्र सिंह, रामकुमार, दाताराम, रामभगत, शेरसिंह आदि मौजूद थे।

अंडरपास निर्माण कार्य की मांग को लेकर धरना

नारनौल। मंडी अटेली अंडरपास के रूके हुए कार्य को शुरू करवाने के लिए गांव तोबड़ा में पंचायत हुई। जिसमें सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर उपायुक्त से मिलकर ग्रामीणों की परेशानी व जनहित की मांग से अवगत करवाने का निर्णय लिया गया। संघर्ष समिति संचालक डा. राजेंद्र प्रसाद खरब ने बताया कि अंडरपास निर्माण के शेष कार्य को पूरा करने के लिए अनिश्चितकालीन धरने को रविवार को 145 दिन हो गए। धरना की अध्यक्षता महावीर कौशिक ने की व संचालन धर्मपाल खरब ने किया। पंचायत में संघर्ष समिति संचालक डा. राजेद्र प्रसाद ने उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के मण्डल रेल प्रबंधक विकास पुरवार व मुख्य महाप्रबंधक डीएफसी सीआईएल अनुराग शर्मा से 25 अप्रैल को हुई वार्ता की जानकारी व अंडरपास निर्माण कार्य की वस्तुगत रिपोर्ट प्रस्तुत की।